

प्रेषक,

डा० उमाकान्त पंवार,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवामें,

निदेशक,  
पर्यटन निदेशालय,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

संस्कृति, पर्यटन एवं खेलकूद अनुभाग-1

देहरादून दिनांक 16 जनवरी, 2015

**विषय:-13वें वित्त आयोग के अन्तर्गत Prefabricated Bio-degradable शौचालय स्थापित किये जाने हेतु प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति।**

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-175/2-6-829/2014-15, दिनांक 25 अगस्त, 2014 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चारधाम यात्रा मार्ग पर वित्तीय वर्ष 2013-14 में 13वें वित्त आयोग के अन्तर्गत पर्यटन विकास हेतु वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के शासनादेश संख्या-F.10(1)/FCD/2009, दिनांक 16 जनवरी, 2014 के माध्यम से राज्य सरकार के लिए अवमुक्त धनराशि ₹ 2297.00 लाख के क्रम में चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्यय में उपलब्ध धनराशि ₹ 6225.00 लाख में से Prefabricated Bio-degradable शौचालय हेतु पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संस्तुत धनराशि ₹ 210.00 लाख के सापेक्ष धनराशि ₹ 1,97,25,860.00 की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए इतनी ही धनराशि ₹ 1,97,25,860.00 (रुपये एक करोड़ सत्तानवे लाख पच्चीस हजार आठ सौ साठ मात्र) की धनराशि को निम्नलिखित शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन श्री राज्यपाल महोदय व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- (i) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।
- (ii) कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- (iii) निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री ही प्रयोग में लायी जाय।
- (iv) आगणन में प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियंता एवं अधीक्षण अभियंता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- (v) मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219 (2006), दिनांक 30 मई, 2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
- (vi) उक्त स्वीकृत धनराशि का दिनांक 31 मार्च, 2015 से पूर्व पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा।
- (vii) धनराशि का उपयोग भारत सरकार द्वारा 13वें वित्त आयोग के अन्तर्गत जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए सुनिश्चित किया जायेगा।

CS



- (viii) कार्यदायी संस्था के निर्धारण में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (ix) व्यय करते समय उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाय।
- 2- उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2014-15 के अनुदान संख्या-26 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-3452-पर्यटन-80-सामान्य-आयोजनागत-104-सम्बर्द्धन तथा प्रचार-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाएँ-02-तेरहवें वित्त आयोग की संस्तुतियों के अन्तर्गत पर्यटन का विकास- 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के मानक मद के नामे डाला जायेगा।
- 3- उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अ0शा0सं0-376/XXVII(2)/2015, दिनांक 13 जनवरी, 2015 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।
- 4- उक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2014-15 के अनुदान संख्या-26 के अन्तर्गत अलोटमेंट आईडी-S.1501260178...द्वारा निर्गत किया जा रहा है।

भवदीय,

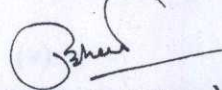
(डा0 उमाकान्त पंवार)  
सचिव।

संख्या:- 145/VI(1)/2014-02(27)/2011, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- आयुक्त गढ़वाल मण्डल।
- 3- वित्त अधिकारी, साइबर ट्रेजरी, 23 लक्ष्मी रोड, डालनवाला देहरादून।
- 4- सम्बन्धित जिलाधिकारी।
- 5- प्रबन्ध निदेशक, गढ़वाल मण्डल विकास निगम लि0, देहरादून।
- 6- सम्बन्धित जिला/क्षेत्रीय पर्यटन विकास अधिकारी।
- 7- निदेशक, वित्त आयोग निदेशालय, उत्तराखण्ड शासन।
- 8- वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
- 9- एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर।
- 10- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

  
(प्रकाश चन्द्र भट्ट)  
उप सचिव।

✓